महत्वपूर्ण एवं खास

29 लाख 80 हजार के करेंसी नोट के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

सुकमा (आरएनएस)। जिले की तोंगपाल पुलिस ने करेंसी नोट का अवैध परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 29 लाख 80 हजार का करेंसी नोट बरामद किया है। आरोपी द्वारा कोई आवश्यक दस्तावेज करेंसी नोट रखने एवं परिवहन करने के संबंध में प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए थाना तोंगपाल में धारा 102 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आयकर विभाग को अग्रिम कार्यवाही के लिए अवगत कराया गया है। सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने बताया कि जिले में प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा तस्करी परिवहन की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत तोंगपाल में मोबाइल चेक पोस्ट लगाकर आने जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान सुकमा की ओर से तेज गति से आ रही टोयोटा वाहन को रोकने का इशारा करने पर वाहन न रुककर तेज गति से नाका पार कर भागने की कोशिश कर रहा था। जिसे पुलिस पार्टी ने पीछा कर उसे पकडऩे के बाद संदेह के आधार पर वाहन की तलाशी ली गई। पुलिस को जांच के दौरान कार के पीछे सीट पर चादर से अंडरग्राउंड बॉक्स बनाकर प्लास्टिक बोरी में छुपा कर रखे गये करेंसी नोट बरामद किया। जिसे दो गवाहों के समक्ष निकालकर करेंसी नोट की गिनती किया गया। जो कुल 29 लाख 80 हजार रुपए होना पाया गया।

इंडियन फ्लाई स्कुलर के रूप में दुर्लभ जन्तु की हुई पहचान

महासमुंद (आरएनएस)। वनपरिक्षेत्र अंतर्गत एक दुर्लभ जन्तु डायल 112 वाहन के कर्मचारी द्वारा पकड़े जाने एवं उसे वन विभाग के सुपुर्द किये जाने के पश्चात इसकी पहचान इंडियन फ्लाई स्कुलर के रूप में की गई है। जिसका हिन्दी शाब्दिक नाम उडऩ गिलहरी के रूप में पहचान की गई है। वन परिक्षेत्र के अंतर्गत इस प्रकार की गिलहरी बहुत कम है। तथा कई वर्षों में एकाध बार दिख जाया करती है। इसलिए इस क्षेत्र में यह दुर्लभ प्रजाति का जन्तु माना जा रहा है। उप वनमण्डलाधिकारी यूआर बसंत ने बताया कि उडऩ गिलहरी को डायल 112 के कर्मचारियों द्वारा वन विभाग के सुपुर्द किये जाने के पश्चात इसे पंचनामा तैयार कर पास के जंगल में छोड़े जाने की प्रकिया चल रही है। उन्होंने कहा इसकी उम्र लगभग दो से ढाई वर्ष की है। उन्होंने बताया कि नाम उडऩ गिलहरी जरूर है किंतु उसके पंख नहीं होते सामने और पीछे के पैरो को फैलाने से शरीर की चमड़ी फैल जाती है तथा वह दौडक़र जब छलांग लगाता है। तब उड़ता हुआ प्रतीत होता है।

स्टेशन परिसर से सटे दुकानों में लगी आग,फायरब्रिगेड की टीम मौके पर

रायपुर (आरएनएस)। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित होटल सुधा के सामने भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए आस-पास की दुकानों को अपनी चपेट में लेती गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आग पतंजलि सेंटर के अलावा 3-4 दुकानों में लगी है। वहीं आग की सूचना फायर ब्रिगेड तक भी पहुंची. जिसके बाद वहां आग बुझाने का काम तेजी से जारी है। वहीं आस-पास के दुकानदार आग से काफी डरे हुए है और अपने दुकान का सामान खाली करने में लगे हुए है. दुकानों के पास ही लाईन से दर्जनों होटले है और पीछे में लोगों के घर भी मौजूद है।

मंत्रालय में मास्क लगाना अनिवार्य

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा कोविड-19 महामारी के रोकथाम के लिए जारी निर्देशों के तहत मंत्रालय महानदी भवन में सभी विभागों में कार्यरत समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को मास्क, फेस कवर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में सभी विभाग प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने अधीनस्थ सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित करे कि वे मास्क या फेस कवर अनिवार्य रूप से धारण करें।

मुख्यमंत्री बघेल की घोषणा पर अमल शुरू : बस्तर में रेशम मिशन के तहत रैली कोसा का समर्थन मूल्य पर होगी खरीदी

- वनांचल के निवासियों के लिए महत्वपूर्ण सौगात
- स्थानीय निवासियों को रैली कोसा के उत्पादन और प्रसंस्करण से मिलेगा दोहरा लाभ
- छत्तीसगढ़ में 8 से 10 करोड़ रैली कोसा कोकून का होता है वार्षिक उत्पादन
- समर्थन मूल्य पर राज्य लघु वनोपज संघ करेगा खरीदी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार बस्तर संभाग में रेशम पालन तथा कोसा उत्पादन करने वाले आदिवासी-वनवासी कृषकों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत रैली कोसा का क्रय अब समर्थन मूल्य पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विगत दिवस चालू वित्तीय वर्ष के बजट भाषण में बस्तर में रेशम मिशन प्रारंभ करने की घोषणा की थी। इस घोषणा के पालन में राज्य सरकार ने चालू वर्ष से लघु वनोपज संघ के माध्यम से कोसा कोकून न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय लिया है। इस संबंध में आदेश लघु वनोपज संघ ने आज जारी कर दिए हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा बस्तर संभाग में इसके समर्थन मूल्य पर संग्रहण के लिए क्रय दर निर्धारित किया गया है। इसके तहत रैली कोसा साबुत ग्रेड-1 में प्रति नग शेल भार 2.5 ग्राम के लिए 4.20 रूपए, ग्रेड-2 में प्रति नग शेल भार 2-2.49 ग्राम के लिए 3.60 रूपए तथा ग्रेड-3 में प्रति नग शेल भार 1.4-1.99 ग्राम के लिए 2.80 रूपए और रैली कोसा-पोली ग्रेड-1 में प्रति नग शेल भार 2.5 ग्राम के लिए 1.50 रूपए, ग्रेड-2 में प्रति नग शेल भार 2-2.49 ग्राम के लिए 1.25 रूपए तथा ग्रेड-3 में प्रति नगर शेल भार 1.4-1.99 ग्राम 0.70 रूपए निर्धारित है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि शासन के इस महत्वपूर्ण निर्णय से अब रैली कोसा के उत्पादन और प्रसंस्करण का दोहरा लाभ स्थानीय निवासियों को मिलेगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री बघेल द्वारा राज्य में रैली कोसा के स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ाते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया गया है। इसके तहत राज्य लघु वनोपज संघ तथा रेशम संचालनालय के बीच एम.ओ.यू. हुआ है। इसके अनुसार लघु वनोपज संघ द्वारा क्रय किया गया कोकून रेशम विभाग को प्रदाय किया जाएगा। रेशम विभाग द्वारा बस्तर संभाग में 740 हितग्राहियों का चयन करके उन्हें रेशम धागाकरण का प्रशिक्षण देना भी प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में 8 से 10 करोड़ रैली कोसा-कोकून का उत्पादन होता है। रैली कोसा संग्रहण कार्य मुख्य रूप से 07 जिला यूनियन जगदलपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोण्डागांव, केशकाल, नाराणपुर तथा कांकेर में होता है।

आरंग के रीवा और पाटन के तरीघाट में ढाई हजार साल पुराने मानव बस्ती के अवशेष

- उत्खन्न से आरंभिक ऐतिहासिक काल के आभूषण, गणेश, और लज्जा देवी की प्रस्तर मूर्ति, सोना, चांदी व तांबे के सिक्के भी मिले

रायपुर/ संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हाल ही में उत्खन्न के दौरान रायपुर जिले के आरंग तहसील अंतर्गत ग्राम रीवा और दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड अंतर्गत तरीघाट में ढाई हजार साल पुराने मानव बस्ती के अवशेष मिले हैं। साथ ही उत्खन्न में आरंभिक ऐतिहासिक काल के आभूषण, प्रस्तर मूर्ति तथा चांदी व तांबे के सिक्के सहित अन्य पुरातत्विक महत्व के सामग्रियां प्राप्त हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के बाद प्रदेश के पुरास्थलों की खोज, सर्वेक्षण और उत्खन्न की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस वर्ष (सत्र 2021-22) में पाटन तहसील के तरीघाट और आरंग तहसील रीवा में उत्खन्न हेतु राज्य सरकार द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को प्रस्ताव भेजा गया था। भारतीय पुरातत्व विभाग से अनुमति मिलने के बाद रीवा में बंधवा तालाब किनारे स्थित चंडी मंदिर के पास विस्तृत क्षेत्र में फैले टीले पर उत्खन्न का कार्य जारी है।

छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उत्खन्न से आरंभिक ऐतिहासिक काल के लगभग दो से ढाई हजार साल पुराने मानव बस्ती के अवशेष मिल रहे हैं। साथ ही उस काल के लोगों द्वारा प्रयुक्त टेराकोटा और धातु निर्मित आभूषण जैसे मनके, चूडिंयां, छल्ले, मृणमूर्तियां, गणेश और लज्जा देवी की प्रस्तर मूर्ति, उत्तरी कृष्ण मार्जित मृत्पात्र सहित, चांदी के आहत सिक्के, कलचुरी राजा रत्नदेव का स्वर्ण सिक्का, टेराकोटा और धातु के मुहर और मुद्राएं आदि मिल रहे हैं, जिससे प्राचीन छत्तीसगढ़ के एक अल्पज्ञात कालखंड का इतिहास प्रकाश में आने की पूरी संभावना है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में गिरा पंडाल कई दूल्हा-दुल्हन घायल

जशपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के सन्ना तहसील में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पंडाल गिरने के चलते कई दूल्हा-दुल्हन घायल होने की खबर है।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के सन्ना तहसील में बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित था जहां कई 50 से अधिक जोड़ों का विवाह हो रहा था इसी दौरान तेज हवाओं के साथ चक्रवात आ गया और पंडाल ध्वस्त हो गया। जिसके चलते बगीचा निवासी पंडित कृष्णा पंडा सहित विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आए दूल्हा दुल्हन समेत आधा दर्जन से ज्यादा ग्रामीण घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए सन्ना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है वहीं कार्यक्रम में शामिल कई लोगों को मामूली चोट आई है। हालांकि घायलों के उपचार के बाद विवाह का कार्यक्रम पुन: शुरू किया गया।

बालको की चलित स्वास्थ्य इकाई जरूरतमंदों के लिए वरदान

कोरबा । भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने सामुदायिक विकास कार्यक्रम की 'उपचार आपके द्वार' मुहिम के अंतर्गत चलित स्वास्थ्य इकाई के माध्यम से मार्च-अप्रैल 2022 में लगभग 2000 मरीजों का उपचार किया। स्वास्थ्य शिविरों में सामान्य बीमारियों के साथ हीमोग्लोबीन, मधुमेहऔर उच्च रक्तचाप की जांच की गई। शिविरों तक आने में असमर्थ नागरिकों को घर पहुंच चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई। लाभान्वित नागरिकों ने बताया कि शिविरों में उन्हें नि:शुल्क परामर्श और दवाइयां दी जा रही हैं। स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति नागरिकों में जागरूकता आई हैं। लोगों ने बालको की पहल को प्रशंसनीय बताया।

बालको ने हेल्पएज इंडिया के सहयोग से चलित स्वास्थ्य इकाई संचालित की है। इस परियोजना से कोरबा के 48 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लगभग 6000 नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। प्रतिदिन पूर्व निर्धारित तीन स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। एमबीबीएस डॉक्टर के साथ ही अन्य प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी शिविरों में सेवाएं दे रहे हैं।

रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, समता एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-रायपुर-सिकंदराबाद ट्रेन को बहाल करने का आदेश

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 6 महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के परिचालन को बहाल किए जाने का आदेश जारी कर दिया है। छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, समता एक्सप्रेस और सिकंदराबाद-रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस का परिचालन जारी रहेगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली उक्त महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों को यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उक्त परिचालन जारी रखने के संबंध में आज ही केन्द्रीय रेल मंत्री से बात की थी।

गौरतलब है कि प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर द्वारा 23 अप्रैल 2022 को एक आदेश जारी कर छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले कुल 23 एक्सप्रेस तथा लोकल ट्रेनों का परिचालन 24 अप्रैल 2022 से आगामी एक माह के लिए बंद कर दिया था।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रेल्वे द्वारा जारी उक्त आदेश को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव द्वारा रेल्वे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली ट्रेनों का परिचालन यथावत् जारी रखने का भी आग्रह किया गया था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्रेनों के परिचालन को अचानक एक माह के लिए बिना किसी वैकिल्पक व्यवस्था के बंद किए जाने से यात्रियों को होने वाली परेशानी को लेकर केन्द्रीय रेल मंत्री से आज चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से चर्चा के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ के हजारों यात्री प्रतिदिन ट्रेनों से यात्रा कर अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचते हैं। ट्रेनों का परिचालन बंद किए जाने से यात्रियों को आवागमन में काफी असुविधा होगी।

मुख्यमंत्री बघेल की बातों से सहमत होते हुए केन्द्रीय रेल मंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य से गुजरने वाली 6 प्रमुख यात्री ट्रेनों जिसमें 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-कोरबा (छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस), 12807/12808 विशाखापटनम्-निजामुद्दीन-विशाखापटनम् (समता एक्सप्रेस) और 12771/12772 सिकंदराबाद-रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस शामिल है, के परिचालन को बहाल करने का आदेश आज देर शाम को जारी किया गया।

गर्भपात के दौरान महिला की मौत,परिजनों ने किया हंगामा

अंबिकापुर (आरएनएस)। शहर के एक निजी अस्पताल में गर्भपात के दौरान एक महिला की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया तथा पुलिस को भी बुला लिया। मामलें में महिला के परिजनों ने आरोपी चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग की।

मिली जानकारी के अनुसार चिरमिरी निवासी नगर सैनिक अंजना जायसवाल गर्भवती थी। जांच के लिए वह अंबिकापुर के परिडा नर्सिंग होम में आती थी। 10 दिन पूर्व नर्सिंग होम के डॉक्टर ने बताया कि उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को आहार की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिसकी वजह से उसे गर्भपात करवाना होगा। मंगलवार को महिला अपने परिजनों के साथ नर्सिंग होम पहुंची थी। गर्भपात के दौरान होने वाले दर्द को सहन नहीं कर पाने के कारण डॉक्टरों ने आज महिला को बेहोश कर गर्भपात करने का निर्णय लिया था। अंजना को दोपहर को ऑपरेशन के लिए ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि दोपहर ऑपरेशन करने वाले डॉक्चर ने उन्हें बताया कि मरीज की तबीयत काफी खराब है, परंतु तब तक प्रशासन की टीम आ गई, जिसके बाद उन्हें पता चला कि अंजना की मौत हो चुकी है। अंजना की मौत की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने नर्सिंग होम में हंगामा मचाना शुरू कर दिया। काफी देर चले हंगामे के बाद शव का पीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा किए जाने का आश्वासन देने के बाद परिजनों का गुस्सा शांत हुआ। जिसके बाद मृतिका का पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया।

राज्य के 12 और जिला अस्पतालों में शुरू होगी नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा

- किडनी रोगों से पीड़ितों को मिलेगी राहत
- अभी 8 जिलों में हो रहा है डायलिसिस, अब तक 27 हजार से अधिक सेशन हो चुके

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश के 12 और जिला अस्पतालों में जल्दी ही नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय नि:शुल्क डायलिसिस कार्यक्रम 'जीवन धारा' के तहत रायपुर, गरियाबंद, जगदलपुर, जांजगीर, राजनांदगांव, सूरजपुर, कोरिया, कबीरधाम, धमतरी, मुंगेली, बलौदाबाजार और बालोद जिला चिकित्सालय में कुल 54 डायलिसिस मशीनों की स्थापना का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। इन अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधा शुरू होने से दूरस्थ अंचलों के किडनी रोगियों को भी स्थानीय स्तर पर नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलने लगेगी। अभी प्रदेश के आठ जिलों में यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव के नेतृत्व में प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के अस्पतालों में भी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। जशपुर, कांकेर, अंबिकापुर, कोरबा और बीजापुर जैसे सुदूर क्षेत्रों में पहले चरण में नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा की शुरूआत के बाद अब दूसरे चरण में गरियाबंद, जगदलपुर, सूरजपुर, कोरिया और कबीरधाम जैसे दूरस्थ जिलों में भी इसे शुरू करने की तैयारी है।

किडनी रोगों से ग्रस्त मरीजों को लंबे समय तक बार-बार डायलिसिस कराना पड़ता है। इससे उन पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ता है। स्थानीय स्तर पर ही डायलिसिस की सुविधा मिलने से किडनी रोगों से पीडि़तों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे मरीजों और उनके परिजनों के श्रम, धन और समय की भी बचत होगी। प्रदेश के 12 और जिला अस्पतालों में डायलिसिस सुविधा के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के द्वारा रायपुर में दस, गरियाबंद, जगदलपुर, जांजगीर और राजनांदगांव में पांच-पांच, सूरजपुर, कोरिया, कवर्धा और धमतरी में चार-चार, मुंगेली एवं बालोद में तीन-तीन तथा बलौदाबाजार में दो डायलिसिस मशीनें लगाई जा रही हैं। रायपुर, गरियाबंद और जगदलपुर में डायलिसिस यूनिट्स की स्थापना का काम पूर्ण कर लिया गया है। इन तीनों जिला अस्पतालों में बहुत जल्द यह सुविधा शुरू कर ली जाएगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय नि:शुल्क डायलिसिस कार्यक्रम के अंतर्गत अभी प्रदेश के आठ जिला अस्पतालों में नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जा रही है। नि:शुल्क डायलिसिस के लिए जशपुर, दुर्ग व कांकेर जिले में पांच-पांच, अंबिकापुर व महासमुंद में चार-चार, कोरबा में छह, बीजापुर में तीन एवं बिलासपुर में चार (सिम्स मेडिकल कॉलेज में तीन और बिलासपुर कोविड अस्पताल में एक), इस तरह कुल 36 मशीनों की स्थापना की गई है। इन अस्पतालों में अब तक कुल 27 हजार 131 डायलिसिस सेशन किए जा चुके हैं। इनमें से दुर्ग जिला अस्पताल में 5384, कोरबा में 5743, कांकेर में 4736, बिलासपुर में 4068, महासमुंद में 3153, सरगुजा में 2079, बीजापुर में 1019 एवं जशपुर में 949 सेशन किए गए हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सुकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के उत्पीड़न, श्रमिकों के उत्पीड़न, आदिवासियों के उत्पीड़न, अनुसूचित जाति-जनजातियों के उत्पीड़नों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्रवाईयों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU